# पदवी (UG) मराठी

## (पुनर्रचित अभ्यासक्रम - शैक्षणिक वर्ष २०२४-२५ पासून)

१. **अभ्यासक्रमाचे शीर्षक [TITLE OF THE PROGRAMME]: पदवी (UG) - मराठी**

२. **प्रास्ताविक [PREAMBLE OF THE SYLLABUS] :**

गोंडवाना विद्यापीठ गडचिरोलीच्या मराठी विषयातील पदावीसाठी (UG-Marathi) राष्ट्रीय शैक्षणिक धोरणाला अनुसरून अभ्यासक्रम तयार करत असताना विद्यार्थीकेंद्रितता, आंतरविद्याशाखीयता, रोजगाराभिमुखता, कौशल्याधिष्ठितता ही आधारभूत तत्त्वे स्वीकारली आहेत. राष्ट्रीय शैक्षणिक धोरणाची उद्दिष्ट्ये भाषा साहित्याच्या अभ्यासक्रमांतून प्रत्यक्षात आणत असतानाच विद्यार्थ्यांच्या जीवनविषयक जाणिवा समृद्ध होण्यासाठी तसेच कौशल्यविकासासाठी भाषा, साहित्य व कला ही माध्यमे अधिक परिणामकारकतेने समजून घेणे आवशक झाले आहे. विद्यार्थ्यांमध्ये साहित्यिक क्षमता, भाषिक क्षमता विकसित करणे व जीवनाच्या आकलनासाठी त्यांना सिद्ध करणे ही काळाची गरज बनली आहे. या बरोबरच विद्यार्थ्यांना मराठी भाषा आणि साहित्याचे सखोल ज्ञान व्हावे, त्यांच्यामध्ये संशोधनाची तसेच आंतरविद्याशाखीय अभ्यास करण्याची वृत्ती वृद्धिंगत व्हावी असे विविध हेतू ठेवून गोंडवाना विद्यापीठाच्या मराठी विषयातील पदवीचा (UG-Marathi) अभ्यासक्रम तयार करण्यात आला आहे.

**पदवी (UG)- मराठी विषयाच्या अभ्यासक्रमाची पुनर्रचना पुढील क्रमाने करण्यात आलेली आहे .**

१. **First Year UG 2024-25 (Level 4.5)**
२. **Second Year UG 2025-26 (Level 5.0)**
३. **Third Year UG 2026-27 (Level 5.5)**
४. **Fourth Year UG 2027-28 (Level 6.0)**

राष्ट्रीय शैक्षणी धोरणाला अनुसरून मराठी विषयातील पदवीचा (UG-Marathi) पुनर्रचित अभ्यासक्रम तीन/चार वर्षांचा आणि सहा/आठ सत्रांमध्ये विभागलेला आहे. महाराष्ट्र शासनाच्या उच्च शिक्षण विभागाने दिलेल्या मार्गदर्शक सूचनांप्रमाणे प्रथन वर्षात ४४ श्रेयांकांचा, तीन वर्षाचा पदवीचा एकूण १३२ श्रेयांकाचा; तर चार वर्षाच्या पदवीचा एकूण १७६ श्रेयांकाचा अभ्यासक्रम असणार आहे. या अभ्यासक्रमात विद्यार्थ्यांना मुख्य विषयाबरोबरच इतर विषय निवडीची संधी दिली गेली आहे. शिवाय सैद्धांतिक अभ्यासक्रम व प्रात्याक्षिके यांना विशेष महत्त्व देण्यात आले आहे.

३. **अभ्यासक्रमाची उद्दिष्टे [PROGRAMME EDUCATIONAL OBJECTIVES (PEOs)] :**

**मराठी विषयातील पदवीच्या अभ्यासक्रमाची उद्दिष्टे खालील प्रमाणे निश्चित करण्यात आलेली आहेत.**

| | |
|---|---|
| PEO-1 | मराठी भाषा, साहित्य आणि त्यांच्या इतिहासाचे ज्ञान देणे. विद्यार्थ्यांच्या वाङ्मयीन आणि जीवनविषयक जाणिवा समृद्ध करणे. |
| PEO-2 | मराठीतील साहित्य विचाराचे ज्ञान देणे. |
| PEO-3 | मराठी समीक्षा विचाराचे ज्ञाने देणे |
| PEO-4 | विध्यार्थांमध्ये प्रात्यक्षिकांच्या माध्यमातून भाषिक कौशल्ये विकासाची जाणीव - जागृती घडवून आणणे आणि त्यांच्यात मराठीतील भाषिक कौशल्यांचा विकास करणे. |
| PEO-5 | विद्यार्थांमध्ये प्रात्यक्षिकांच्या माध्यमातून मराठी भाषेतील रोजगाराची कौशल्ये आणि क्षमता विकसित करणे. |
| PEO-6 | मराठीतील विविध साहित्यप्रकारांचा परिचय करून देणे. |

| | |
|---|---|
| PEO-7 | साहित्य निर्मितीच्या प्रेरणा व प्रवृत्ती वृद्धिंगत करणे. |
| PEO-8 | साहित्यकृतींच्या चिकित्सक अभ्यासाची प्रवृत्ती वृद्धिंगत करणे. |
| PEO-9 | भारतीय ज्ञान परंपरेची विद्यार्थ्यांना ओळख करून देणे. |
| PEO-10 | विद्यार्थ्यांचा सर्वांगीण व्यक्तिमत्त्वविकास साधून त्याला सुसंस्कारित नागरिक म्हणून सिद्ध होण्यास मदत करणे. |

**४. अभ्यासक्रमाची अध्ययननिष्पत्ती [PROGRAMME OUTCOMES (POs) AND PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES (PSOs] :**

**हा अभ्यासक्रम पूर्ण केल्यानंतर विद्यार्थ्यांमध्ये पुढील क्षमतांचा विकास होईल.**

| Sr. No. | Graduate Attributes | POs-PSOs |
|---|---|---|
| PO-1 | Disciplinary Knowledge | मराठी भाषा आणि साहित्यातील पायाभूत सैद्धांतिक घटकांचे आकलन होईल. |
| PO-2 | Communication Skill | विविध दृष्टिकोनातून स्पष्टतापूर्ण वाचन आणि अभिव्यक्ती व्यक्त करता येईल. |
| PO-3 | Critical Thinking | चिकित्सक विचार करण्याचे कौशल्ये आत्मसात होतील. |
| PO-4 | Problem Solving | भाषिक समस्यांचा शोध घेऊन योग्य ते उपाय शोधण्याचा प्रयत्न करू शकेल. |
| PO-5 | Analytical reasoning | प्राप्त माहितीचे वस्तुनिष्ठपणे विश्लेषण आणि कारणमीमांसा करता येईल. |
| PO-6 | Research related Skill | संशोधनवृत्ती निर्माण होईल. |
| PO-7 | Cooperation/Team Work | सामुहिक ध्येयप्राप्तीसाठी एकत्रित येऊन काम करण्याची आवड निर्माण होईल. |
| PO-8 | Scientific reasoning | तार्किकदृष्ट्या प्राप्त माहितीचे परीक्षण करू शकेल. |
| PO-9 | Reflective thinking | वैचारिक प्रगल्भता विकसित होईल. |
| PO-10 | Self-directed learning | वैयक्तिकरित्या वेगवेगळ्या कृती स्वतंत्रपणे करता येईल. |
| PO-11 | Information/Digital Literacy | सहजपणे दृकश्राव्य माध्यमांची हाताळणी करता येईल. |
| PO-12 | Multicultural Competence | विद्यार्थ्यांमध्ये सामाजिक व सांस्कृतिक जाण विकसित होईल. सामाजिक सामंजस्य निर्माण होईल. |
| PO-13 | Moral & Ethical Values | सर्वांचा आदर करणे आणि विश्वबंधुत्वाची भावना विकसित होण्यास मदत होईल. |
| PO-14 | Leadership Readiness | अनेकविध क्षेत्रात नेतृत्व करण्याचे कौशल्ये आत्मसात होतील. |
| PO-15 | Life-long Learning | सतत अध्ययन व संशोधन करण्याची शाश्वत आवड निर्माण होईल. |
| PSO-1 | Domen Knowledge | साहित्यविषयक विविध संकल्पना आणि साहित्याचे सौंदर्यशास्त्र यांचे आकलन होईल. |
| PSO-2 | Professional Skills | भाषिक कौशल्ये आत्मसात होतील आणि तंत्रज्ञानाचा भाषिक व्यवहारात कौशल्यपूर्ण वापर करता येईल. |
| PSO-3 | Research | मराठी भाषा आणि साहित्यविषयक संशोधनवृत्ती निर्माण होईल. |
| PSO-4 | Social Responsibility | व्यक्तिमत्त्व विकासास चालना मिळून जबाबदार नागरिक म्हणून जडणघडण होण्यास मदत होईल. |

NEP 2020 आधारित चारवर्षीय पदवी अभ्यासक्रम

U. G. B. A. (Bachelor of Arts): Marathi (मराठी)

Four Years Bachelor of Arts (Honours/Research) Degree Examination

Teaching and Examination Scheme

With Credit Distribution Structure to Academic Session 2024-2025

## 1. UG - Marathi: Year - I, Sem. - I

**1.1 UG - Marathi Major**

| Level/ Yea/ Sem. | Type | Course Code | Course Title | Credits | Theory/ Practical/ Oral | Int. Exam (Marks) | Ext. Exam (Marks) | Total Mars |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| L. 4.5 Yr.-1st Sem.-I | Major Core | S1BAMA01 | साहित्याचे स्वरूप : सत्र - १ (निवेदनात्मक साहित्यप्रकार) अभ्यासग्रंथ - गोंडवन भाषावैभव - भाग - १ (विभाग -१) (संपा. गो. वि. गडचिरोली म. अ. मं.) | 04 (T) | Theory | 20 | 80 | 100 |

**1.2 Open Elective - Marathi**

| Level/ Yea/ Sem. | Type | Course Code | Course Title | Credits | Theory/ Practical/ Oral | Int. Exam (Marks) | Ext. Exam (Marks) | Total Mars |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| L. 4.5 Yr.-1st Sem.-I | OE | Group - A S1BAMA02 | मराठी साहित्य : नाटक अभ्यासपुस्तक : तुझे आहे तुजपाशी - पु. ल. देशपांडे | 02 (T) | Theory | 10 | 40 | 50 |
| | | Group - B S1BAMA03 | प्रवासवर्णन : सर्जनात्मक लेखन आणि वाचन | 02 (T) | Theory | 10 | 40 | 50 |

**1.3 VSC (Vocational Skill Course) / SEC (Skill Enhancement Course) - Marathi**

| Level/ Yea/ Sem. | Type | Course Code | Course Title | Credits | Theory/ Practical/ Oral | Int. Exam (Marks) | Ext. Exam (Marks) | Total Mars |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| L. 4.5 Yr.-1st Sem.-I | VSC | S1BAMA04 | संवाद कौशल्य व कल्पनाविस्तार | 04 (P) | Practical | 20 | 30 | 50 |
| | SEC | S1BAMA05 | व्यक्तिमत्वविकास आणि भाषा | 02 (T) | Theory | 10 | 40 | 50 |

**1.4 AEC (Ability Enhancement Course) / VEC (Value Education Course) / IKS (Indian Knowledge System) - Marathi**

| Level/ Yea/ Sem. | Type | Course Code | Course Title | Credits | Theory/ Practical/ Oral | Int. Exam (Marks) | Ext. Exam (Marks) | Total Mars |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|



Satelwar

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| L. 4.5 Yr.-1st Sem.-I | VEC | S1BAMA06 | नीतीमूल्य शिक्षण<br>अभ्यासग्रंथ : श्यामची आई<br>लेखक - साने गुरुजी<br>(प्रकरण १ ते २१) | 04 (P) | Practical | 20 | 30 | 50 |
| | AEC | S1BAMA07 | प्रसारमाध्यमांसाठी लेखन : आकाशवाणी, दूरदर्शन, वृत्तपत्र ई. | 02 (T) | Theory | 10 | 40 | 50 |
| | IKS | S1BAMA08 | लोककथांमधील भारतीय ज्ञानपरंपरा<br>अभ्यासग्रंथ : मराठी लोककथा<br>संपादक - मधुकर वाकोडे | 02 (T) | Theory | 10 | 40 | 50 |
| **1.5 CC (Co-curricular Courses) - Marathi** | | | | | | | | |
| L. 4.5 Yr.-1st Sem.-I | CC | S1BAMA09 | ऐतिहासिक पर्यटन स्थळाला भेट व अनुभव कथन | 04 (P) | Practical | 20 | 30 | 50 |

## 2. UG - Marathi: Year - I, Sem. - II

**2.1 UG - Marathi Major**

| Level/ Yea/ Sem. | Type | Course Code | Course Title | Credits | Theory/ Practical/ Oral | Int. Exam (Marks) | Ext. Exam (Marks) | Total Mars |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| L. 4.5 Yr.-1st Sem.- II | Major Core | S1BAMA10 | साहित्याचे स्वरूप : सत्र - २ (निवेदनात्मक साहित्यप्रकार) अभ्यासग्रंथ - गोंडवन भाषावैभव - भाग - १ (विभाग - २) (संपा. गो. वि. गडचिरोली म. अ. मं.) | 04 (T) | Theory | 20 | 80 | 100 |
| | | S1BAMA11 | साहित्याचे स्वरूप : सत्र - २ (निवेदनात्मक साहित्यप्रकार) अभ्यासग्रंथ - गोंडवन भाषावैभव - भाग - १ (विभाग - ३) (संपा. गो. वि. गडचिरोली म. अ. मं.) | 04 (T) | Theory | 20 | 40 | 100 |

**2.2 Open Elective - Marathi**

| Level/ Yea/ Sem. | Type | Course Code | Course Title | Credits | Theory/ Practical/ Oral | Int. Exam (Marks) | Ext. Exam (Marks) | Total Mars |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| L. 4.5 Yr.-1st Sem.- II | OE | Group - A S1BAMA12 | मराठी साहित्य : कविता (निवडक) अभ्यास्पुस्तक : आधुनिक मराठी कविता (गो. वि. गडचिरोली) बी. ए. द्वितीय वर्षाकरिता (सत्र - ४) | 02 (T) | Theory | 10 | 40 | 50 |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Group - B S1BAMA13 | कविता : सर्जनात्मक लेखन आणि वाचन | 02 (T) | Theory | 10 | 40 | 50 |

2.3 VSC (Vocational Skill Course) / SEC (Skill Enhancement Course) - Marathi

| Level/ Yea/ Sem. | Type | Course Code | Course Title | Credits | Theory/ Practical/ Oral | Int. Exam (Marks) | Ext. Exam (Marks) | Total Mars |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| L. 4.5 Yr.-1st Sem.- II | VSC | S1BAMA14 | स्मरणिका संपादन आणि मुद्रणप्रत | 04 (P) | Practical | 20 | 30 | 50 |
| | SEC | S1BAMA15 | जाहिरात मसुदालेखन | 02 (T) | Theory | 10 | 40 | 50 |

2.4 AEC (Ability Enhancement Course) / VEC (Value Education Course) / - Marathi

| Level/ Yea/ Sem. | Type | Course Code | Course Title | Credits | Theory/ Practical/ Oral | Int. Exam (Marks) | Ext. Exam (Marks) | Total Mars |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| L. 4.5 Yr.-1st Sem.- II | VEC | S1BAMA16 | नीतीमूल्य शिक्षण अभ्यासग्रंथ : श्यामची आई - लेखक - साने गुरुजी (प्रकरण २२ ते ४२) | 04 (P) | Practical | 20 | 30 | 50 |
| | AEC | S1BAMA17 | मुद्रितशोधन, लेखनविषयक नियम आणि प्रमाण शब्दांची सूची | 02 (T) | Theory | 10 | 40 | 50 |

2.5 CC (Co-curricular Courses) - Marathi

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| L. 4.5 Yr.-1st Sem.-I | CC | S1BAMA18 | ऐतिहासिक पर्यटन स्थळाला भेट व अनुभव कथन | 04 (P) | Practical | 20 | 30 | 50 |

| U.G. मराठी - प्रथम वर्ष (सत्र -१) अभ्यासक्रम [Level 4.5] | | | |
|---|---|---|---|
| Course Type | Major Core | Credits – 4 (Theory) | Weeks -15 Hours - 60 |
| Major T-1 | साहित्याचे स्वरूप : सत्र - १<br>(निवेदनात्मक साहित्यप्रकार)<br>अभ्यासग्रंथ - गोंडवन भाषावैभव - भाग - १ (विभाग -१) (संपा. गो. वि. गडचिरोली म. अ. मं.) | Int. Marks 20 | Ext. Marks 80 |

अभ्यासपत्रिकेचा उद्देश :

१. मराठी भाषेच्या समृद्धीची जाणीव करून देणे.
२. भाषेचे तसेच साहित्याचे आकलन आणि जीवनव्यवहारात उपयोजन करण्यास प्रवृत्त करणे.
३. साहित्याची भाषिक कौशल्ये विकसित करणे व त्यांना रोजगाराभिमुख बनविणे.
४. विविध साहित्य प्रकारांची ओळख करून देणे.
५. भाषेच्या व साहित्याच्या अभ्यासाद्वारे भारतीय संस्कृती आणि इतिहासाची ओळख करून देणे.
६. नैतिक मूल्ये रुजविणे.

अभ्यासक्रम :

| घटक | तपशील | श्रेयांक | घड्याळी तास |
|---|---|---|---|
| ०१ गद्य विभाग | १. शिक्षण - जोतीराव फुले<br>२. तरुणांनो ! निर्भय बना, शूर बना - स्वामी विवेकानंद<br>३. भारताचा उद्धारकर्ता : महात्मा डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर - आचार्य - प्र. के. अत्रे<br>४. अस्पृश्यांचा आधारवड - शिवाजी सावंत<br>५. झड - प्रकाश खरात<br>६. वेशिबाहेरच्या सात बहिणींची गोष्ट - प्रवीण बांदेकर | ०२ | ४० |
| ०२ पद्य विभाग | १. तुकारामाचे अभंग - संत तुकाराम<br>२. आम्ही कोण? - केशवसुत<br>३. अखेर कमाई - कुसुमाग्रज<br>४. कार्ल मार्क्स - नारायण सुर्वे<br>५. मन - बहिणाबाई चौधरी<br>६. जफर आणि मी - वर्जेश सोळंकी | ०२ | २० |

**अभ्यासपत्रिकेची अध्ययन निष्पती (Cos):**

या अभ्यासपत्रिकेच्या अध्ययनातून विद्यार्थ्यांमध्ये पुढील क्षमतांचा विकास होईल.

Co-1 मराठी भाषेच्या समृद्धीची जाणीव निर्माण होईल.

Co-2 भाषेचे व साहित्याचा उपयोग जीवन व्यवहारात करता येईल.

Co-3 साहित्याची भाषिक कौशल्ये विकसित होऊन ते व्यवहारात उपयोगी पडतील.

Co-4 साहित्याच्या विविध प्रकारांची ओळख होईल.

Co-5 भाषेच्या व साहित्याच्या अभ्यासाने संस्कृती व इतिहासाची ओळख होईल.

Co-6 नैतिक मूल्यांचा विकास होईल.

| U.G. मराठी - प्रथम वर्ष (सत्र -१) अभ्यासक्रम [Level 4.5] | | | |
|---|---|---|---|
| Course Type | General Elective/Open Elective [GE/OE] | Credits – 2 (Theory) | Weeks -15 Hours - 30 |
| Group - A OE - T-1 | मराठी साहित्य : नाटक<br>अभ्यासपुस्तक : तुझे आहे तुजपाशी - पु. ल. देशपांडे | Int. Marks 10 | Ext. Marks 40 |

**अभ्यासपत्रिकेचा उद्देश :**

१. नाटक हा साहित्यप्रकार समजून घेण्यास मदत करणे.
२. नाटक या साहित्यप्रकाराची माहिती (स्वरूप, घटक, विशेष इ.) करून देणे
३. नेमलेल्या अभ्यासपुस्तकाच्या अध्ययनातून जीवनविषयक समज विकसित होण्यास मदत करणे.

**अभ्यासक्रम :**

| घटक | तपशील | श्रेयांक | घड्याळी तास |
|---|---|---|---|
| ०१ | १.१ मराठी साहित्याचे स्वरूप आणि प्रकार<br>१.२ नाटक : संकल्पना, स्वरूप, घटक, वैशिष्ट्ये आणि वेगळेपण | ०१ | १५ |
| ०२ | अभ्यासपुस्तक : तुझे आहे तुजपाशी (लेखक - पु. ल. देशपांडे) | ०१ | १५ |

**अभ्यासपत्रिकेची अध्ययन निष्पती (Cos):**

या अभ्यासपत्रिकेच्या अध्ययनातून विद्यार्थ्यांमध्ये पुढील क्षमतांचा विकास होईल.
Co-1 मराठी साहित्याचे स्वरूप व प्रकार यांचा परिचय होईल.
Co-2 नाटक या साहित्यप्रकाराचे स्वरूप, घटक, वेगळेपण याचे ज्ञान प्राप्त होईल.
Co-3 नाटक या साहित्यप्रकाराची आकलन आणि विश्लेषणक्षमता विकसित होईल.
Co-4 नाटक या साहित्यप्रकाराच्या अध्ययनातून जीवनविषयक दृष्टिकोन विकसित होईल.

**संदर्भ ग्रंथ**


१. मराठी नाटक आणि रंगभूमी विसावे शतक - वसंत आबाजी डहाके
२. मराठी नाटक आणि रंगभूमिचा इतिहास - प्रा. दत्ता भगत
३. अकरा नाटकांच्या नवलकथा - संजय डहाके
४. आगळी वेगळी नाट्यरूपे - रा. ग. जाधव
५. आधुनिक रंगभूमीचे शिल्पकार - डॉ. रुस्तूम अचलखांब
६. मराठी नाटक : सृष्टी आणि दृष्टी - मधु जामकर

| U.G. मराठी - प्रथम वर्ष (सत्र -१) अभ्यासक्रम [Level 4.5] | | | |
|---|---|---|---|
| Course Type | General Elective/Open Elective [GE/OE] | Credits – 2 (Theory) | Weeks -15 Hours - 30 |
| Group - B OE – T- 2 | प्रवासवर्णन : सर्जनात्मक लेखन आणि वाचन | Int. Marks 10 | Ext. Marks 40 |

**अभ्यासपत्रिकेचा उद्देश :**

१. प्रवासवर्णन हा साहित्यप्रवाह समजून घेण्यास मदत करणे.
२. विद्यार्थ्यांमधील सूक्ष्म निरीक्षण व आकलन शक्तीचा विकास करणे.
३. प्रवासाची कृती करून प्रवासवर्णनपर सर्जनात्मक लेखन करण्यास प्रवृत्त करणे.

**अभ्यासक्रम :**

| घटक | तपशील | श्रेयांक | घड्याळी तास |
|---|---|---|---|
| ०१ | १.१ सृजनात्मक लेखनाचे स्वरूप<br>१.२ सृजनात्मक लेखनाची संकल्पना<br>१.३ प्रवास लेखनाचे स्वरूप व संकल्पना | ०१ | ३० |
| ०२ | स्थलभेट वर्णन / सहल वर्णन / प्रवास (फेरफटका / पर्यटन / सफर ) वर्णन / क्षेत्रभेट वर्णन / अभ्यासदौरा वर्णन (येथे विद्यार्थ्यांना केलेल्या प्रवासाचे सर्जनात्मक लेखन करणे आणि वाचन करणे अपेक्षित आहे.) | ०१ | ३० |

**अभ्यासपत्रिकेची अध्ययन निष्पत्ती (Cos):**

या अभ्यासपत्रिकेच्या अध्ययनातून विद्यार्थ्यांमध्ये पुढील क्षमतांचा विकास होईल.

Co-1 प्रवासवर्णन लिहिताना विद्यार्थ्यांच्या स्मरणशक्तीचा विकास होईल.

Co-2 विद्यार्थी प्रवासाद्वारे विविध प्रदेश पाहून तेथील भौगोलिक परिस्थिती, समाज, संस्कृती, भाषा इ. बाबी समजून घेतील.

Co-3 विद्यार्थी विविध प्रदेशाला भेटी देतील व त्या प्रवासातील विविध बाबींच्या नोंदी ठेवायला शिकतील.

Co-4 भौगोलिक परिस्थितीचा समाज, संस्कृती, भाषा इ. बाबींवर होणाऱ्या परिणामाबाबत विश्लेषण करू शकतील.

Co-5 विद्यार्थी प्रवासवर्णनपर लेखन करण्यास प्रवृत्त होतील.

**संदर्भ ग्रंथ**


१. साठोत्तरी प्रवासवर्णन : वाटा आणि वळणे - डॉ. वैशाली गुंजेकर
२. मराठीतील लघुनिबंधाचा इतिहास - डॉ. आनंद यादव
३. मराठी प्रवासवर्णनांची वाटचाल - डॉ. नीला पांढरे
४. मराठीतील प्रवासवर्णने : प्रेरणा व स्वरूप - चंद्रकांत वर्तक
५. लघुनिबंध ते मुक्तगद्य - वि. शं. चौगुले
६. प्रवासवर्णनांचा प्रवास - मुकुंद वझे
७. प्रवासवर्णन : एक वाङ्मय प्रकार - वसंत सावंत
८. सृजनात्मक लेखन - आनंद पाटील
९. साहित्याचे मानदंड - गंगाधर गाडगीळ

| U.G. मराठी - प्रथम वर्ष (सत्र -१) अभ्यासक्रम [Level 4.5] | | | |
|---|---|---|---|
| Course Type | VSC (Vocational Skill Course) | Credits – 2 (Practical) | Weeks -15 Hours - 60 |
| VSC - P-1 | संवाद कौशल्य व कल्पनाविस्तार | Int. Marks 20 | Ext. Marks 30 |

**अभ्यासपत्रिकेचा उद्देश :**

१. सामाजिक विनिमयाचे साधन म्हणून भाषेची वैशिष्ट्ये व भाषेच्या प्राथमिक कौशल्यांची संकल्पना आणि स्वरूप जाणून घेणे.
२. भाषेच्या विकासातील अडथळे समजून घेणे आणि त्यांचे विश्लेषण करणे.
३. कल्पनाविस्ताराचे महत्त्व समजून घेणे.
४. कल्पनेतील सौंदर्य उलगडून दाखविणे.

**अभ्यासक्रम :**

| घटक | तपशील | श्रेयांक | घड्याळी तास |
|---|---|---|---|
| ०१ | **भाषेची प्राथमिक कौशल्ये : श्रवण, वाचन, संभाषण-भाषण, लेखन**<br>१.१ श्रवण कौशल्ये : संकल्पना, स्वरूप, कौशल्य विकासातील अडथळे आणि उपाययोजना<br>१.२ वाचन कौशल्य : संकल्पना, स्वरूप, कौशल्य विकासातील अडथळे आणि उपाययोजना<br>१.३ संभाषण-भाषण : संकल्पना, स्वरूप, कौशल्य विकासातील अडथळे आणि उपाययोजना<br>१.४ लेखन कौशल्य : संकल्पना, स्वरूप, कौशल्य विकासातील अडथळे आणि उपाययोजना | ०१ | ३० |
| ०२ | कल्पनाविस्तर : म्हण, सुभाषित, अवतरण, वाच्यार्थ, ध्वन्यार्थ | ०१ | ३० |

**अभ्यासपत्रिकेची अध्ययन निष्पती (Cos):**

या अभ्यासपत्रिकेच्या अध्ययनातून विद्यार्थ्यांमध्ये पुढील क्षमतांचा विकास होईल.

Co-1 सामाजिक विनिमयाचे साधन म्हणून भाषेच्या वैशिष्ट्यांचा परिचय होईल.

Co-2 भाषेच्या प्राथमिक कौशल्यांची संकल्पना आणि स्वरूप यांचे ज्ञान होईल.

Co-3 भाषेतील प्राथमिक कौशल्यांच्या विकासातील अडथळे समजून घेण्याची प्रेरणा मिळेल.

Co-4 काल्पनाविस्ताराचे महत्त्व समजेल.

Co-5 कल्पनाविस्तार करण्याची कला अवगत होईल.

**संदर्भ ग्रंथ**


१. व्यावहारिक मराठी - ल. रा. नसिराबादकर
२. व्यावहारिक मराठी - डॉ. कल्याण काळे
३. व्यावहारिक मराठी - डॉ. लीला गोविलकर
४. व्यावहारिक मराठी - डॉ. सयाजीराजे मोकाशी
५. व्यावहारिक मराठी - डॉ. स्नेहल तावरे
६. व्यावहारिक मराठी व उपयोजित मराठी - डॉ. संदीप सांगळे

| U.G. मराठी - प्रथम वर्ष (सत्र -१) अभ्यासक्रम [Level 4.5] | | | |
|---|---|---|---|
| Course Type | SEC (Skill Enhancement Course) | Credits – 2 (Theory) | Weeks -15 Hours - 30 |
| SEC – T – 1 | व्यक्तिमत्वविकास आणि भाषा | Int. Marks 20 | Ext. Marks 30 |

**अभ्यासपत्रिकेचा उद्देश :**

१. व्यक्तिमत्त्व संकल्पना, स्वरूप व व्यक्तिमत्त्व विकासाचे जीवनातील स्थान व महत्त्व पटवून देणे.

२. व्यक्तिमत्त्व विकासाठी आवश्यक घटकांचा शोध घेणे.

३. व्यक्तिमत्त्व विकासातील भाषेचे स्थान व महत्त्व समजावून देणे.

**अभ्यासक्रम :**

| घटक | तपशील | श्रेयांक | घड्याळी तास |
|---|---|---|---|
| ०१ | १.१ व्यक्तिमत्त्व संकल्पना व स्वरूप<br>१.२ व्यक्तिमत्त्व विकासाचे जीवनातील स्थान.<br>१.३ व्यक्तिमत्त्वावर प्रभाव टाकणारे घटक | ०१ | १५ |
| ०२ | **व्यक्तिमत्त्व विकासातील भाषेचे स्थान**<br>२.१ भाषा म्हणजे काय<br>२.२ व्यक्तिमत्त्व विकासातील भाषेचे स्थान व महत्त्व<br>२.३ भाषा आणि व्यक्तिमत्त्व यांचा सहसंबंध | ०१ | १५ |

**अभ्यासपत्रिकेची अध्ययन निष्पती (Cos):**

या अभ्यासपत्रिकेच्या अध्ययनातून विद्यार्थ्यांमध्ये पुढील क्षमतांचा विकास होईल.

Co-1 व्यक्तिमत्त्व संकल्पना व तिचे स्वरूप यांचे ज्ञान अवगत होईल.

Co-2 व्यक्तिमत्त्व विकासाचे जीवनातील स्थान आणि महत्व स्पष्ट करता येईल.

Co-3 जीवनव्यहारात भाषिक कौशल्यांचा प्रभावी वापर करता येईल.

Co-4 व्यक्तिमत्त्व विकासातील भाषेच्या उपयोजनाचे मूल्यमापन करता येईल.

Co-5 व्यक्तिमत्त्वाचा विकास साधण्यासाठी विद्यार्थी प्रवृत्त होतील.

**संदर्भ ग्रंथ**


१. व्यावहारिक मराठी - ल. रा. नसिराबादकर

२. व्यक्तिमत्त्व विकास, य.च.म.मुक्त विद्यापीठ, नाशिक

३. मराठी साहित्य : प्रेरणा आणि स्वरूप - संपा. डॉ. गो.मा. पवार, डॉ. म.द. हातकणंगलेकर

४. व्यक्तिमत्त्व विकासाठी संभाषण व लेखन कौशल्ये - डॉ. पृथ्वीराज तौर, डॉ. शैलेन्द्र लेंडे, डॉ. वंदना महाजन

५. मराठी भाषिक कौशल्ये विकास - डॉ. पृथ्वीराज तौर

६. उपयोजित मराठी लेखन व संवादकौशल्याचा परिचय - सत्यजित साळवे

| U.G. मराठी - प्रथम वर्ष (सत्र -१) अभ्यासक्रम [Level 4.5] | | | |
|---|---|---|---|
| Course Type | VEC (Value Education Course) | Credits – 2 (Practical) | Weeks -15 Hours - 60 |
| VEC – P - 1 | नीतीमूल्य शिक्षण<br>अभ्यासग्रंथ : श्यामची आई (लेखक - साने गुरुजी) (प्रकरण १ ते २१) | Int. Marks 20 | Ext. Marks 30 |

**अभ्यासपत्रिकेचा उद्देश :**

१. विद्यार्थ्यांमध्ये नैतिक मूल्यांचा विकास करणे.

२. भारतीय कला, संस्कृती व ज्ञान परंपरांची माहिती करून देणे.

३. विद्यार्थ्यांना सामाजपयोगीतेचे महत्त्व समजावून सांगणे.

**अभ्यासक्रम :**

| घटक | तपशील | श्रेयांक | घड्याळी तास |
|---|---|---|---|
| ०१ | **प्रकरण :** १ - सावित्री-व्रत, २ - अक्काचे लग्न, ४ - पुण्यात्मा यशवंत, ७ - पत्रावळ, १० - पर्णकुटी, १४ - श्रीखंडाच्या वड्या, १५ - राघुपती राघव राजाराम, १६ - तीर्थयात्रार्थ पलायन, १७ - स्वावलंबनाची शिकवण, १९ - पुनर्जन्म, २१ - दूर्वांची आजी | ०१ | ३० |
| ०२ | **प्रात्यक्षिकासाठी प्रकरणे**<br>३ - मुकी फुले, ५ - मथुरी, ६ - थोर अश्रू, ८ - क्षमेविषयी प्रार्थना, ९ मोरी गाय, ११ - भूतदया, १२ - श्यामचे पोहणे, १३ - स्वाभिमान - रक्षण, १८ - अळणी भाजी, २० - सात्विक प्रेमाची भूक | ०१ | ३० |

**अभ्यासपत्रिकेची अध्ययन निष्पती (Cos):**

या अभ्यासपत्रिकेच्या अध्ययनातून विद्यार्थ्यांमध्ये पुढील क्षमतांचा विकास होईल.

Co-1 विद्यार्थी नैतिकमूल्याचे महत्त्व शिकेल.

Co-2 भारतीय कला, संस्कृती, परंपरांचे ज्ञान प्राप्त करेल.

Co-3 समाजपयोगीतेचे जीवनातील महत्त्व शिकेल.

| U.G. मराठी - प्रथम वर्ष (सत्र -१) अभ्यासक्रम [Level 4.5] | | | |
|---|---|---|---|
| Course Type | AEC (Ability Enhancement Course) | Credits – 2 (Theory) | Weeks -15 Hours - 30 |
| AEC – T - 1 | प्रसारमाध्यमांसाठी लेखन : आकाशवाणी, दूरदर्शन, वृत्तपत्र ई. | Int. Marks 10 | Ext. Marks 40 |

**अभ्यासपत्रिकेचा उद्देश :**

१. विद्यार्थ्यांमध्ये वृत्तपत्र, आकाशवाणी व दूरदर्शन या प्रसारमाध्यमांसाठी लिखाणाची आवड निर्माण करणे.
२. विद्यार्थ्यांमधील सूक्ष्म निरीक्षण व आकलन शक्तीचा विकास करणे.
३. समाजपयोगी माहिती व ज्ञानाचे संकलन करण्याची आवड निर्माण करणे.
४. प्रसारमाध्यमांची उपयोगिता समजणे व त्याचा रोजगारभिमुखतेसाठी वापर करायला शिकविणे.

**अभ्यासक्रम :**

| घटक | तपशील | श्रेयांक | घड्याळी तास |
|---|---|---|---|
| ०१ | १.१ वृत्तपत्रातील लेखन : बातमी, लेख, अग्रलेख<br>१.२ बातमी लिहितांना लक्षात घ्यावयाच्या गोष्टी<br>१.३ वृत्तलेखन, व्यक्तिविशेष लेख, प्रसिद्धीवृत्त निवेदन | ०१ | १५ |
| ०२ | २.१ आकाशवाणी आणि चित्रवाणी यांच्यावरील बातम्यांचे लेखन<br>२.२ सामाजमाध्यामांसाठी (सोशल मिडिया) बातामीलेखन | ०१ | १५ |

**अभ्यासपत्रिकेची अध्ययन निष्पती (Cos):**

या अभ्यासपत्रिकेच्या अध्ययनातून विद्यार्थ्यांमध्ये पुढील क्षमतांचा विकास होईल.

Co-1 वृत्तपत्र लिखाण कला अवगत होईल.

Co-2 समाजातील विविध परंपरा, चालीरीती, रूढी व सांस्कृतिक वैभवाचा अभ्यास करण्याची कला विकसित होईल.

Co-3 समाजपयोगी ज्ञान प्राप्त करू शकेल.

Co-4 प्रसारमाध्यमांची उपयोगिता शिकेल.

**संदर्भ ग्रंथ**


१. व्यावहारिक मराठी - ल. रा. नसिराबादकर
२. मराठी भाषिक कौशल्ये विकास - डॉ. पृथ्वीराज तौर
३. उपयोजित मराठी लेखन व संवादकौशल्याचा परिचय - सत्यजित साळवे
४. मराठी साहित्य : प्रेरणा आणि स्वरूप - संपा. डॉ. गो.मा. पवार, डॉ. म.द. हातकणंगलेकर
५. व्यक्तिमत्त्व विकासाठी संभाषण व लेखन कौशल्ये - डॉ. पृथ्वीराज तौर, डॉ. शैलेन्द्र लेंडे, डॉ. वंदना महाजन

| U.G. मराठी - प्रथम वर्ष (सत्र - २) अभ्यासक्रम [Level 4.5] | | | |
|---|---|---|---|
| Course Type | Major Core | Credits – 4 (Theory) | Weeks -15 Hours - 60 |
| Major T-2 | **साहित्याचे स्वरूप : सत्र - २**<br>**(निवेदनात्मक साहित्यप्रकार)**<br>**अभ्यासग्रंथ - गोंडवन भाषावैभव - भाग - १ (विभाग - २) (संपा. गो. वि. गडचिरोली म. अ. मं.)** | Int. Marks 20 | Ext. Marks 80 |

**अभ्यासपत्रिकेचा उद्देश :**

१. मराठी भाषेच्या समृद्धीची जाणीव करून देणे.
२. भाषेशे तसेच साहित्याचे आकलन आणि जीवनव्यवहारात उपयोजन करण्यास प्रवृत्त करणे.
३. साहित्याची भाषिक कौशल्ये विकसित करणे व त्यांना रोजगारभिमुख बनविणे.
४. विविध साहित्य प्रकारांची ओळख करून देणे.
५. भाषेच्या व साहित्याच्या अभ्यासाद्वारे भारतीय संस्कृती आणि इतिहासाची ओळख करून देणे.
६. नैतिक मूल्ये रुजविणे.

**अभ्यासक्रम :**

| घटक | तपशील | श्रेयांक | घड्याळी तास |
|---|---|---|---|
| ०१ गद्य विभाग | १. अखेरचे कीर्तन - गाडगेबाबा<br>२. सत्यनिष्ठा - आचार्य विनोबा भावे<br>३. जीवनाच्या सुगंधी मिठीसाठी - बाबा आमटे<br>४. पुत्रवती भव - जयंत नारळीकर<br>५. पुस्तकाची पाने चाळतांना - इसादास भडके<br>६. आपुलाची वाद आपणांसी - चंद्रकांत वानखेडे | ०२ | ४० |
| ०२ पद्य विभाग | १. काळी आई - सावित्रीबाई फुले<br>२. उष:काल होता होता - सुरेश भट<br>३. ऑडिट - प्रल्हाद चेंदवणकर<br>४. दुनियेची रीत - सुधाकर गायधनी<br>५. शेतकरी - बबन सराडकर<br>६. माझ्या गावात येताना - नोमेश मेश्राम | ०२ | २० |

**अभ्यासपत्रिकेची अध्ययन निष्पती (Cos):**

या अभ्यासपत्रिकेच्या अध्ययनातून विद्यार्थ्यांमध्ये पुढील क्षमतांचा विकास होईल.

Co-1 मराठी भाषेच्या समृद्धीची जाणीव निर्माण होईल.

Co-2 भाषेचे व साहित्याचा उपयोग जीवन व्यवहारात करता येईल.

Co-3 साहित्याची भाषिक कौशल्ये विकसित होऊन ते व्यवहारात उपयोगी पाडतील.

Co-4 साहित्याच्या विविध प्रकारांची ओळख होईल.

Co-5 भाषेच्या व साहित्याच्या अभ्यासाने संस्कृती व इतिहासाची ओळख होईल.

Co-6 नैतिक मूल्यांचा विकास होईल.

| U.G. मराठी - प्रथम वर्ष (सत्र - २) अभ्यासक्रम [Level 4.5] | | | |
|---|---|---|---|
| Course Type | Major Core | Credits – 4 (Theory) | Weeks -15 Hours - 60 |
| Major T-3 | साहित्याचे स्वरूप : सत्र - २<br>(निवेदनात्मक साहित्यप्रकार)<br>अभ्यासग्रंथ - गोंडवन भाषावैभव - भाग - १ (विभाग - ३) (संपा. गो. वि. गडचिरोली म. अ. मं.) | Int. Marks 20 | Ext. Marks 80 |

**अभ्यासपत्रिकेचा उद्देश :**

१. मराठी भाषेच्या समृद्धीची जाणीव करून देणे.
२. भाषेशे तसेच साहित्याचे आकलन आणि जीवनव्यवहारात उपयोजन करण्यास प्रवृत्त करणे.
३. साहित्याची भाषिक कौशल्ये विकसित करणे व त्यांना रोजगारभिमुख बनविणे.
४. विविध साहित्य प्रकारांची ओळख करून देणे.
५. भाषेच्या व साहित्याच्या अभ्यासाद्वारे भारतीय संस्कृती आणि इतिहासाची ओळख करून देणे.
६. नैतिक मूल्ये रुजविणे.

**अभ्यासक्रम :**

| घटक | तपशील | श्रेयांक | घड्याळी तास |
|---|---|---|---|
| ०१ गद्य विभाग | १. वाचन - गोपाळ गणेश आगरकर<br>२. दोन मेणबत्त्या - अनंत काणेकर<br>३. त्या तिथे पलीकडे - माधव आचवल<br>४. जेव्हा मी जात चोरली होती - बाबुराव बागुल<br>५. गोष्ट तशी जुनीच - तारा भवाळकर<br>६. या जीवनाचे काय करू - अभय बंग | ०२ | ४० |
| ०२ पद्य विभाग | १. धर्म हा पोरखेळ नव्हे - तुकडोजी<br>२. वामांगी - अरुण कोल्हटकर<br>३. कोंडवाडा - दया पवार<br>४. सरळ झाडच वाचावे - वसंत आबाजी डहाके<br>५. तिफन - विठ्ठल वाघ<br>६. म्हणून - अनुराधा पाटील | ०२ | २० |

**अभ्यासपत्रिकेची अध्ययन निष्पत्ती (Cos):**

या अभ्यासपत्रिकेच्या अध्ययनातून विद्यार्थ्यांमध्ये पुढील क्षमतांचा विकास होईल.

Co-1 मराठी भाषेच्या समृद्धीची जाणीव निर्माण होईल.
Co-2 भाषेचे व साहित्याचा उपयोग जीवन व्यवहारात करता येईल.
Co-3 साहित्याची भाषिक कौशल्ये विकसित होऊन ते व्यवहारात उपयोगी पाडतील.
Co-4 साहित्याच्या विविध प्रकारांची ओळख होईल.
Co-5 भाषेच्या व साहित्याच्या अभ्यासाने संस्कृती व इतिहासाची ओळख होईल.
Co-6 नैतिक मूल्यांचा विकास होईल.

| U.G. मराठी - प्रथम वर्ष (सत्र -२) अभ्यासक्रम [Level 4.5] | | | |
|---|---|---|---|
| Course Type | General Elective/Open Elective [GE/OE] | Credits – 2 (Theory) | Weeks -15 Hours - 30 |
| Group - A OE – T- 3 | मराठी साहित्य : कविता<br>अभ्यासपुस्तक : आधुनिक मराठी कविता (निवडक) (गो. वि. गडचिरोली)<br>बी. ए. द्वितीय वर्षाकरिता (सत्र - ४) | Int. Marks 10 | Ext. Marks 40 |

**अभ्यासपत्रिकेचा उद्देश :**

१. कविता या साहित्यप्रकाराची ओळख करून देणे.
२. कविता या साहित्यप्रकाराची माहिती (स्वरूप, घटक, विशेष इ.) करून देणे.
३. कविता या साहित्यप्रकारांचे लेखन व सादरीकरण करण्याचे कौशल्य आत्मसात करणे.

**अभ्यासक्रम :**

| घटक | तपशील | श्रेयांक | घड्याळी तास |
|---|---|---|---|
| ०१ | १.१ मराठी साहित्याचे स्वरूप आणि प्रकार<br>१.२ कविता : संकल्पना, स्वरूप, घटक, वैशिष्ट्ये | ०१ | १५ |
| ०२ | अभ्यासपुस्तक : आधुनिक मराठी कविता (निवडक)<br>१. नवा शिपाई - केशवसुत<br>२. शीगवाला - नारायण सुर्वे<br>३. वावर - विठ्ठल वाघ<br>४. बाई - नीरजा<br>५. संवाद - हेमंत दिवटे | ०१ | १५ |

**अभ्यासपत्रिकेची अध्ययन निष्पती (Cos):**

या अभ्यासपत्रिकेच्या अध्ययनातून विद्यार्थ्यांमध्ये पुढील क्षमतांचा विकास होईल.

Co-1 मराठीतील कविता या साहित्याचे स्वरूप व प्रकार यांचा परिचय होईल.

Co-2 कविता या साहित्यप्रकाराचे संकल्पना, स्वरूप, घटक याचे ज्ञान प्राप्त होईल.

Co-3 कविता या साहित्यप्रकाराची आकलन आणि विश्लेषणक्षमता विकसित होईल.

Co-4 कविता या साहित्यप्रकाराच्या अध्ययनातून जीवनविषयक दृष्टिकोन विकसित होईल.

**संदर्भ ग्रंथ**


१. कविता आणि प्रतिमा - सुधीर रसाळ
२. आधुनिक मराठी कवितेतील राष्ट्रीय भावना - डॉ. सुधाकर कालवडे
३. काही मराठी कवी : जाणिवा आणि शैली - सुधीर रसाळ
४. दलित कविता व दलित साहित्याचे सौंदर्यशास्त्र - डॉ. म. सु. पाटील
५. कवितेचा रुपशोध - म. सु. पाटील
६. काव्यार्थ चिंतन - जी. एस. शिवरुद्रप्पा
७. कवितेचा शोध - वसंत पाठक

| U.G. मराठी - प्रथम वर्ष (सत्र -२) अभ्यासक्रम [Level 4.5] | | | |
|---|---|---|---|
| Course Type | General Elective/Open Elective [GE/OE] | Credits – 2 (Theory) | Weeks -15 Hours - 30 |
| Group - B OE – T- 4 | कविता : सर्जनात्मक लेखन आणि वाचन | Int. Marks 10 | Ext. Marks 40 |

**अभ्यासपत्रिकेचा उद्देश :**

१. कविता हा साहित्यप्रवाह समजून घेण्यास मदत करणे.
२. कविता या साहित्यप्रकाराचे स्वरूप, प्रेरणा, वैशिष्ट्ये आणि मराठी कवितेची वाटचाल समजून घेणे.
३. कविता या साहित्यप्रकारांचे लेखन व सादरीकरण करण्याचे कौशल्य आत्मसात करणे.

**अभ्यासक्रम :**

| घटक | तपशील | श्रेयांक | घड्याळी तास |
|---|---|---|---|
| ०१ | १.१ मराठी साहित्याचे स्वरूप आणि प्रकार<br>१.२ कविता : संकल्पना, स्वरूप, घटक, वैशिष्ट्ये<br>१.३ कविता, गीत, नाटक आणि ललित गद्य या नाट्यात्मक, काव्यात्मक व निवेदनात्मक साहित्यप्रकारांचे स्वरूप | ०२ | ३० |

**अभ्यासपत्रिकेची अध्ययन निष्पती (Cos):**

या अभ्यासपत्रिकेच्या अध्ययनातून विद्यार्थ्यांमध्ये पुढील क्षमतांचा विकास होईल.

Co-1 काव्यलेखन कला अवगत होईल.

Co-2 काव्यालेखानाचे विविधप्रकार ज्ञात होतील.

Co-3 काव्याच्या सादारीकरानाची कला प्राप्त होईल.

Co-4 प्राप्त कलेचा उपयोग जीवनोपयोगी साधन म्हणून उपयुक्त ठरेल.

**संदर्भ ग्रंथ**


१. कविता आणि प्रतिमा - सुधीर रसाळ
२. मराठीतील लघुनिबंधाचा इतिहास - डॉ. आनंद यादव
३. दलित कविता व दलित साहित्याचे सौंदर्यशास्त्र - डॉ. म. सु. पाटील
४. मराठी वाङ्मयाची वाटचाल : स्वरूप व संकल्पना - शब्दालय प्रकाशन, श्रीरामपूर
५. कवितेचा रुपशोध - म. सु. पाटील
६. काव्यार्थ चिंतन - जी. एस. शिवरुद्रप्पा
७. कवितेचा शोध - वसंत पाठक

| U.G. मराठी - प्रथम वर्ष (सत्र -२) अभ्यासक्रम [Level 4.5] | | | |
|---|---|---|---|
| Course Type | VSC (Vocational Skill Course) | Credits – 2 (Practical) | Weeks -15 Hours - 60 |
| VSC-P-2 | स्मरणिका संपादन आणि मुद्रणप्रत | Int. Marks 20 | Ext. Marks 30 |

**अभ्यासपत्रिकेचा उद्देश :**

१. स्मरणिका संपादनाचे महत्त्व समजाविणे.
२. स्मरणिका संपादनाचे स्वरूपाचे ज्ञान देणे.
३. मुद्रणप्रतीचे महत्त्व पटवून देणे.
४. मुद्रनप्रतीची उपयोगिता पटवून देणे.
५. जीवनोपयोगी साधन निर्माण करण्याची क्षमता निर्माण करणे.

**अभ्यासक्रम :**

| घटक | तपशील | श्रेयांक | घड्याळी तास |
|---|---|---|---|
| ०१ | **स्मरणिका संपादन आणि मुद्रणप्रत**<br>**स्मरणिका संपादन** : स्मरणिकेचे स्वरूप, आकार व पृष्ठे, मुखपृष्ठ व मलपृष्ठ, शीर्षक पृष्ठ, शीर्षक पृष्ठाची मागील बाजू, शुभसंदेश, संपादकीय स्मरणिकेतील लेखाचे स्वरूप, कार्यानियोजन व कार्यकर्ते यांची धावती ओळख, छायाचित्रे, जाहिराती | ०१ | ३० |
| ०२ | संपादनकार्याचे स्वरूप, मुद्रण प्रत तयार करणे, वेस्टनलेख, गृहपत्रिका/मुखपत्र यांचे स्वरूप, चित्रचरित्र | ०१ | ३० |

**अभ्यासपत्रिकेची अध्ययन निष्पती (Cos):**

या अभ्यासपत्रिकेच्या अध्ययनातून विद्यार्थ्यांमध्ये पुढील क्षमतांचा विकास होईल.

Co-1 स्मरणिका संपादन करण्यात सक्षम बनेल.
Co-2 स्मरणिकेचे स्वरूप समजून ती निर्माण करण्याची क्षमता ज्ञात होईल.
Co-3 जीवनोपयोगी साधन म्हणून वापर करता येईल.
Co-4 मुद्रणकलेचे ज्ञान मिळाल्याने जीवनाला उपयोगिता प्राप्त होईल.
Co-5 अर्थप्राप्तीचे साधन म्हणून या ज्ञानाचा उपयोग करता येईल.

**संदर्भ ग्रंथ**


१. व्यावहारिक मराठी - ल. रा. नसिराबादकर
२. व्यावहारिक मराठी - डॉ. कल्याण काळे
३. व्यावहारिक मराठी - डॉ. लीला गोविलकर
४. व्यावहारिक मराठी - डॉ. सयाजीराजे मोकाशी
५. व्यावहारिक मराठी - डॉ. स्नेहल तावरे
६. व्यावहारिक मराठी व उपयोजित मराठी - डॉ. संदीप सांगळे

| U.G. मराठी - प्रथम वर्ष (सत्र -२) अभ्यासक्रम [Level 4.5] | | | |
|---|---|---|---|
| Course Type | SEC (Skill Enhancement Course) | Credits – 2 (Theory) | Weeks -15 Hours - 30 |
| SEC – T – 2 | जाहिरात मासुदालेखन | Int. Marks 10 | Ext. Marks 40 |

**अभ्यासपत्रिकेचा उद्‌देश :**

१. जाहिरात मासुदालेखानाचे महत्त्व पटवून देणे.

२. जाहिरातकला अवगत करणे.

३. जाहिरातकलेला जीवनोपयोगी बनविणे.

**अभ्यासक्रम :**

| घटक | तपशील | श्रेयांक | घड्याळी तास |
|---|---|---|---|
| ०१ | १.१ वृत्तपत्रे आणि नियतकालिकांतील जाहिरात<br>१.२ जाहिरातीचे घटक<br>१.३ लोकभावनेचा जाहिरातीसाठी उपयोग<br>१.४ जाहिरातीची नवी रूपे आणि मासुदालेखन<br>१.५ जाहिरातीचे भाषांतर | ०१ | १५ |
| ०२ | २.१ आकाशवाणीवरील जाहिरात<br>२.२ चित्रवाणीवरील जाहिरात<br>२.३ समाजमांसाठी जाहिरात लेखन<br>२.४ दृश्य जाहिरात | ०१ | १५ |

**अभ्यासपत्रिकेची अध्ययन निष्पती (Cos):**

या अभ्यासपत्रिकेच्या अध्ययनातून विद्‌यार्थ्यांमध्ये पुढील क्षमतांचा विकास होईल.

Co-1 जाहिरात लेखनाचे ज्ञान अवगत होईल.

Co-2 जाहिरात लेखनाचे जीवनातील स्थान आणि महत्त्व स्पष्ट करता येईल.

Co-3 जीवनव्यहारात जाहिरात लेखनाचा प्रभावी वापर करता येईल.

Co-4 जाहिरात लेखनाचा जीवन उपयोजनाचे मूल्यमापन करता येईल.

**संदर्भ ग्रंथ**

१. व्यावहारिक मराठी - ल. रा. नसिराबादकर

२. व्यावहारिक मराठी - डॉ. कल्याण काळे

३. व्यावहारिक मराठी - डॉ. लीला गोविलकर

४. व्यावहारिक मराठी - डॉ. सयाजीराजे मोकाशी

५. व्यावहारिक मराठी - डॉ. स्नेहल तावरे

६. व्यावहारिक मराठी व उपयोजित मराठी - डॉ. संदीप सांगळे

| U.G. मराठी - प्रथम वर्ष (सत्र -२) अभ्यासक्रम [Level 4.5] | | | |
|---|---|---|---|
| Course Type | VEC (Value Education Course) | Credits – 2 (Practical) | Weeks -15 Hours - 60 |
| VEC – P - 2 | नीतीमूल्य शिक्षण<br>अभ्यासग्रंथ : श्यामची आई - लेखक - साने गुरुजी<br>(प्रकरण २२ ते ४२) | Int. Marks<br>20 | Ext. Marks<br>30 |

**अभ्यासपत्रिकेचा उद्देश :**

१. वियार्थ्यांमध्ये नैतिक मूल्यांचा विकास करणे.

२. भारतीय कला, संस्कृती व ज्ञान परंपरांची माहिती करून देणे.

३. विद्यार्थ्यांना सामाजपयोगीतेचे महत्त्व समजावून सांगणे.

**अभ्यासक्रम :**

| घटक | तपशील | श्रेयांक | घड्याळी तास |
|---|---|---|---|
| ०१ | **प्रकरण :** २३ - अर्धनारी नटेश्वर, २४ - सोमवती अवस, २८ - सांब सदाशिव पाऊस दे, ३० - तू वयाने मोठा नाहीस.... मनाने..., ३१ - लाडघरचे तामस्तीर्थ ३४ - वित्तहानीची हेटाळणी, ३७ - अब्रूचे धिंडवडे, ३८ - आईचा शेवटचा आजार ४० - शेवटची निरवानिरव, ४१ - भस्ममय मूर्ती, ४२ - आईचे स्मृतिश्राद्ध | ०१ | ३० |
| ०२ | **प्रात्यक्षिकासाठी प्रकरणे**<br>२२ - आनंदाची दिवाळी, २५ - देवाला सारी प्रिय, २६ - बंधुप्रेमाची शिकवण २७ - उदार पितृहृदय, २९ - मोठा होण्यासाठी चोरी, ३२ - कर्ज म्हणजे जिवंतपणीचा नरक, ३३ - गरिबांचे मनोरथ, ३५ - आईचे चिंतामय जीवन, ३६ - तेल आहे, तर मीठ नाही!, ३९ - सारी प्रेमाने नांदा | ०१ | ३० |

**अभ्यासपत्रिकेची अध्ययन निष्पती (Cos):**

या अभ्यासपत्रिकेच्या अध्ययनातून विद्यार्थ्यांमध्ये पुढील क्षमतांचा विकास होईल.

Co-1 विद्यार्थी नैतिकमूल्याचे महत्त्व शिकेल.

Co-2 भारतीय कला, संस्कृती, परंपरांचे ज्ञान प्राप्त करेल.

Co-3 समाजपयोगीतेचे जीवनातील महत्त्व शिकेल.